यूपी बना फूड प्रोसेसिंग और एफएमसीजी निवेश का पसंदीदा केंद्र, दिल्ली रोडशो में उद्योग जगत ने सराहा निवेश अनुकूल माहौल

25 करोड़ से अधिक की उपभोक्ता आबादी, मजबूत कृषि अर्थव्यवस्था और बेहतर कनेक्टिविटी बनी निवेश की ताकत

गोल्डी ग्रुप, यूनाइटेड ब्रेवरीज और वरुण बेवरेजेज के प्रतिनिधियों ने योगी सरकार की नीतियों, पारदर्शी व्यवस्था और बेहतर औद्योगिक बुनियादी ढांचे की सराहना की

नई दिल्ली/लखनऊ, 18 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से देश के प्रमुख औद्योगिक और निवेश केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। उद्योग अनुकूल नीतियों, त्वरित निर्णय प्रक्रिया, बेहतर कानून-व्यवस्था और मजबूत बुनियादी ढांचे के दम पर प्रदेश अब खाद्य प्रसंस्करण और एफएमसीजी विनिर्माण क्षेत्र के निवेशकों की पसंद बनता जा रहा है। इसी दिशा में नई दिल्ली में आयोजित सीआईआई उत्तर प्रदेश रोडशो में प्रदेश ने खाद्य प्रसंस्करण, कृषि आधारित उद्योगों और एफएमसीजी क्षेत्र में निवेश की व्यापक संभावनाओं को प्रदर्शित किया। रोडशो में देश के प्रमुख उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों ने योगी सरकार के सक्रिय सहयोग, निवेश अनुकूल वातावरण और कारोबार के लिए उपलब्ध अवसरों की सराहना की।

प्रदेश में 25 करोड़ से अधिक की विशाल उपभोक्ता आबादी, प्रचुर कृषि उत्पादन, बेहतर कनेक्टिविटी और मजबूत औद्योगिक आधार खाद्य प्रसंस्करण एवं एफएमसीजी उद्योगों के विस्तार के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार कर रहे हैं। योगी सरकार की नीतियों का उद्देश्य कृषि उत्पादन को उद्योगों से जोड़कर किसानों की आय बढ़ाना, स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धन करना और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करना है।

कृषि संपदा को औद्योगिक ताकत में बदल रही योगी सरकार

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने कहा कि प्रदेश अपनी कृषि संपदा के आधार पर खाद्य प्रसंस्करण का मजबूत इकोसिस्टम विकसित कर रहा है। उत्तर प्रदेश में नौ कृषि-जलवायु क्षेत्र, तेजी से बढ़ता बागवानी क्षेत्र, शहद और सब्जियों के उत्पादन में अग्रणी स्थिति, 12 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और 4,000 से अधिक पंजीकृत निर्यातकों का नेटवर्क मौजूद है। उन्होंने किसानों के हित में संचालित प्रोत्साहन योजनाओं, 12 लाख किसानों को लाभ पहुंचाने वाली सिंचाई पहलों, पांच दिनों के भीतर स्वीकृतियों और आकर्षक सब्सिडी का उल्लेख करते हुए कहा कि योगी सरकार की पहल निवेशकों और उद्यमियों के लिए नए अवसर तैयार कर रही है।

निवेशकों को परियोजना से क्रियान्वयन तक मिल रहा सरकार का सहयोग

इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद ने खाद्य प्रसंस्करण, एफएमसीजी, पैकेजिंग, कोल्ड चेन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में प्रदेश की संभावनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विशाल उपभोक्ता

बाजार, कृषि उत्पादों एवं कच्चे माल की पर्याप्त उपलब्धता और मजबूत कृषि मूल्य श्रृंखला उत्तर प्रदेश को विनिर्माण एवं मूल्य संवर्धन के लिए विशेष रूप से अनुकूल बनाती है। उन्होंने एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डों और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के विस्तार का उल्लेख करते हुए बताया कि इन्वेस्ट यूपी निवेशकों को परियोजना की अवधारणा से लेकर उसके क्रियान्वयन तक आवश्यक सहयोग उपलब्ध करा रहा है। उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, विनिर्माण संयंत्रों, कोल्ड चेन और मूल्य संवर्धन परियोजनाओं के लिए विभिन्न प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उद्योग जगत ने योगी सरकार के सहयोग को बताया भरोसे की वजह

रोडशो में शामिल उद्योग प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश में अपने कारोबारी अनुभव साझा करते हुए राज्य सरकार की नीतियों और निवेश प्रक्रिया की सराहना की। गोल्डी ग्रुप के निदेशक सुदीप गोयनका ने प्रदेश के कारोबारी माहौल और प्रगतिशील नीतियों की सराहना करते हुए बताया कि कंपनी उत्तर प्रदेश के विविध उपभोक्ता वर्ग की जरूरतों के अनुरूप अपने उत्पादों के आकार और कीमतों में बदलाव करती है।

यूनाइटेड ब्रेवरीज के रीजनल पब्लिक पॉलिसी हेड आयुष सिंह ने सरकार के सक्रिय दृष्टिकोण और समयबद्ध स्वीकृतियों को निवेशकों का भरोसा बढ़ाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के साथ संवाद के बाद उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर कंपनी की शुरुआती झिझक दूर हुई है।

वहीं, वरुण बेवरेजेज के कार्यकारी निदेशक एवं सीओओ कमलेश जैन एल ने प्रदेश के कृषि संसाधनों, कुशल कार्यबल, विशाल उपभोक्ता बाजार और बेहतर कनेक्टिविटी की सराहना की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आश्वासन के अनुरूप कंपनी को गोरखपुर में तीन महीने के भीतर भूमि आवंटित की गई। उन्होंने निवेश प्रक्रिया में इन्वेस्ट यूपी और खाद्य प्रसंस्करण विभाग के सहयोग को भी सराहा।
